

प्रेषक,

वी. के. पाठक,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तरांचल।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास

देहरादून: दिनांक 07 मई, 2005

विषय:- वर्ष 2005-06 में दैवी आपदा राहत कार्यों हेतु लेखा शीर्षक 2245 प्राकृति विपत्तियों के कारण राहत के अंतर्गत अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान, पेयजल आपूर्ति तथा विभागीय परिसम्पत्तियों के मरम्मत कार्यों हेतु धनावटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विगत वर्षों में भारी वर्षा/ भूस्खलन/बाढ़/सूखा आदि आपदाओं से हुई क्षति को दृष्टिगत रखते हुये सम्यक विचारोपरान्त वर्ष 2005-06 में दैवी आपदा राहत कार्यों हेतु जोन-5 के 5 जनपदों यथा- बागेश्वर, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ एवं उत्तरकाशी को अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान मद में प्रत्येक हेतु रू0 7.50-7.50 लाख पेयजल मद में रू0 3.00 लाख तथा विभागीय परिसम्पत्तियों के मरम्मत कार्यों हेतु रू0 4.50 लाख अर्थात् कुल रू0 30-30 लाख की दर से 5 जनपदों हेतु रू0 1,50,00,000/- (रू0 एक करोड़ पचास लाख मात्र) एवं जोन-4 के 8 जनपदों यथा- चम्पावत, ऊधमसिंहनगर, अल्मोड़ा, हरिद्वार, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, देहरादून एवं नैनीताल को अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान मद में प्रत्येक हेतु रू0 3.00-3.00 लाख तथा पेयजल मद में रू0 1.50 लाख तथा विभागीय परिसम्पत्तियों के मरम्मत कार्यों हेतु रू0 4.50 लाख अर्थात् कुल रू0 15-15 लाख प्रत्येक जनपद की दर से आठ जनपदों हेतु रू0 1,20,00,000/- (रू0 एक करोड़ बीस लाख मात्र) अर्थात् कुल रू0 2,70,00,000/- (रू0 दो करोड़ सत्तर लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- धनराशि का कोषागार से आहरण आवश्यकता के अनुरूप नियमानुसार ही किया जायेगा।

3- स्वीकृत धनराशि दैवी आपदा से प्रभावित परिवारों में निर्धारित मानकों के अनुसार अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान के रूप में व्यय की जायेगी तथा पेयजल मद में आवंटित धनराशि दैवी आपदा से प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के भुगतान हेतु व्यय की जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग अन्य मदों में न किया जाय। गलत उपयोग होने पर संबंधित जिलाधिकारी का उत्तरदायित्व होगा।

4- उक्त के संबन्ध में मुझे यह भी कहने का निदेश हुआ है कि धनाभाव होने पर कोषागार नियम-27 से अपरिहार्य परिस्थितियों में ही केवल अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान मदों में ही धनराशि उस समय आहरित की जाये जब उसका तत्काल वितरित किया जाना आवश्यक हो। इस संबन्ध में यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि कोषागार नियम-27 से आहरित धनराशि प्रत्येक दशा में तीन दिन के अन्दर वितरित हो जाय। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाय कि कोषागार नियम-27 से धनराशि केवल दैवी आपदाओं जैसे अग्निकांड, आंधी तूफान, चक्रवात, शीतलहरी, बाढ़, सूखा आदि के फलस्वरूप घटित घटनाओं

के लिये ही आहरित और वितरित की जाय। सामान्य दुर्घटनाओं, सड़क दुर्घटना, रेल दुर्घटना, दंगा फसाद, विद्युत जंगली जानवरों आदि के कारण घटित घटनाओं के लिए संबंधित विभागों के निर्देशानुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

5- आपदा राहत कोष से स्वीकृत धनराशि का जिला स्तर पर समुचित लेखा जोखा रखा जाय तथा माह के अंत में लेखा रजिस्टर जिलाधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जाये और मासिक व्यय विवरण भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप (प्रति संलग्न) पर अगले माह की 15 तारीख तक निश्चित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाये तथा पूरे वित्तीय वर्ष में शासन द्वारा आवंटित धनराशि में से यदि बचत सम्भावित हो तो उसे माह फरवरी के 15 तारीख तक शासन को अवश्य सूचित किया जाय, तथा व्यय की गई धनराशि का कार्यालय महालेखाकार में सही मद में पुस्तान्कन कराया जाय और प्रत्येक माह पर व्यय धनराशि के संबंध में कार्यालय महालेखाकार के आकड़े समाधानित एवं सत्यापित कराकर शासन को सूचित किया जाय ताकि आंकड़ों के मिलान की कार्यवाही का निरन्तर अनुश्रवण होता रहे।

6- उक्त होने वाला कुल व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्यय अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2245- प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-05 आपदा राहत निधि- आयोजनेत्तर-800 अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें- 01 राष्ट्रीय आपदा राहत निधि से व्यय-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा.सं.-162/वि.अनु.-3/2005 दिनांक 1 मई, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

संलग्न-यथोक्त

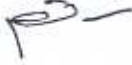
भवदीय,

(वी. के. पाठक)
अपर सचिव

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल एवं कुमाऊँ मण्डल, उत्तरांचल।
- 3- अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग।
- 4- अपर सचिव, नियोजन विभाग।
- 5- समस्त कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 6- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री कार्यालय।
- 8- वित्त अनुभाग-3,
- 9- धन आवंटन संबंधी पत्रावली।
- 10- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(वी. के. पाठक)
अपर सचिव